Under CSR Support by ipca Foundation missiongyan

अध्याय – 7| साखियाँ एवं सबद

QUIZ-01

1. कबीर के अनुसार किसके द्वारा मुक्ति मिलती है?
   A. मन
   B. धन
   C. तन
   D. तीर्थ स्थल (A)

व्याख्या : कबीर ने कहा है कि मुक्ति मन की स्थिति पर निर्भर करती है, न कि धन, तन या बाहरी साधनों पर।

2. कबीर के अनुसार ईश्वर को कहाँ पाया जा सकता है?
   A. मंदिर में
   B. सब स्वाँसों की स्वाँस में
   C. वैरागी में
   D. मस्जिद में (B)

व्याख्या : कबीर के अनुसार ईश्वर बाहर नहीं, बल्कि भीतर – हर एक स्वाँस में मौजूद है। इसलिए ईश्वर की खोज स्वयं के भीतर करनी चाहिए।

3. कबीर के दूसरे सबद (पद) में किसके महत्त्व का वर्णन हुआ है?
   A. आँधी के
   B. वर्षा के
   C. ज्ञान के
   D. अज्ञान के (C)

व्याख्या : दूसरे पद में ज्ञान के महत्त्व को दर्शाया गया है, जो आत्मा को अज्ञानता से मुक्त करता है।

4. कबीर की साखियों में किसका महत्त्व बताया गया है?
   A. घृणा का
   B. ईर्ष्या का
   C. प्रेम का
   D. अपकर्म का (C)

व्याख्या : कबीर ने प्रेम को परम तत्व माना है – प्रेम के बिना ईश्वर की प्राप्ति संभव नहीं।

5. मनुष्य ईश्वर को कहाँ नहीं ढूँढ़ता है?
   A. मंदिर में
   B. क्रिया कर्म में
   C. मसजिद में
   D. खेल के मैदान में (D)

Explanation : कबीर के अनुसार मनुष्य मंदिर, मसजिद, और धार्मिक क्रियाओं में ईश्वर को ढूँढ़ता है, खेल के मैदान में नहीं।

6. कबीर किस ब्रह्म के उपासक थे?
   A. निर्गुण
   B. सगुण
   C. साकार
   D. वैष्णव (A)

व्याख्या : कबीर निर्गुण ब्रह्म के उपासक थे, जो निराकार और अद्वैत रूप में ईश्वर की उपासना करते हैं।

7. कबीर की रचनाओं का प्रामाणिक ग्रंथ कौन माना जाता है?
   A. बीजक
   B. रमैनी
   C. सबद
   D. साखी (A)

व्याख्या : बीजक' कबीर की रचनाओं का सबसे प्रामाणिक ग्रंथ माना जाता है, जिसमें उनकी साखियाँ, सबद आदि संकलित हैं।

8. मनुष्य किसको ढूँढ़ता फिरता है?
   A. शांति
   B. वैराग्य
   C. ईश्वर
   D. आत्मा (C)

व्याख्या : कबीर ने कहा है कि मनुष्य ईश्वर को बाहर-बाहर ढूँढ़ता है, जबकि वह उसके भीतर ही मौजूद है।

9. किसको 'सब स्वाँसों की स्वाँस में' कहा गया है?
   A. मनुष्य को
   B. ईश्वर को
   C. असुर को
   D. पशु को (B)

व्याख्या : कबीर के अनुसार ईश्वर हर एक स्वाँस में समाया हुआ है, इसीलिए उसे "सब स्वाँसों की स्वाँस में" कहा गया है।

10. "मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं" में 'हंस' प्रतीक है?
   A. मोती का
   B. पक्षी का
   C. भक्त–हृदय का
   D. जल का (C)

Explanation : इस पद में 'हंस' का प्रतीक भक्त-हृदय के लिए प्रयोग किया गया है, जो मानसरोवर रुपी ईश्वर में आनंद करता है।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें।
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App